प्रादेशिक समाचार बुलेटिन,
आकाशवाणी, लखनऊ।

प्रसारण तिथि : 15.09.2024 प्रसारण समय : 19:20 बजे

मुख्य समाचार :–

1. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रांची में वाराणसी–देवघर सहित छह वंदेभारत रेलगाड़ियों को झंडी दिखाकर किया रवाना : कहा– रेल कनेक्टिविटी के विस्तार से अर्थव्यवस्था को मिलेगी मजबूती।
2. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बहराइच में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया हवाई सर्वेक्षण : भेड़ियों के हमलों में जान गंवाने वाले परिवारों से की मुलाकात।
3. मेरठ की जाकिर कालोनी में कल शाम तीन मंजिला इमारत गिरने से दस लोगों की मौत।

और

4. प्रदेश में गंगा, यमुना, घाघरा और शारदा नदी कई स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर पहुंची : प्रभावित इलाकों मे बाढ़ चौकियों को सतर्कता बरतने के दिये गये निर्देश।

———————

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज रांची हवाई अड्डे से वर्चुअल माध्यम से छह वंदेभारत रेलगाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रधानमंत्री मोदी ने जिन वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखायी है उनमें बरहामपुर–टाटा, राउरकेला–हावड़ा, देवघर–बनारस, हावड़ा–गया और हावड़ा–भागलपुर शामिल है। इस अवसर पर वीडिया कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जन सभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि वंदेभारत रेलगाड़ियों के चलने से झारखंड और पड़ोसी राज्यों सहित देश के पूर्वी क्षेत्रों में आर्थिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में तेजी आएगी। श्री मोदी ने कहा कि इन रेलगाड़ियों से पर्यटन उद्योग को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि केंद्र झारखंड के चहुमुखी विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पूर्वी भारत में रेल कनेक्टिविटी के विस्तार से इस पूरे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इन ट्रेनो से कारोबारियों को छात्रों को लाभ होगा। इससे यहा आर्थिक और सांस्कृतिक गतिविधिया भी तेजी होगी।

वाराणसी से देवघर के बीच चलने वाली वंदेभारत ट्रन सप्ताह में छह दिन चलेगी। इसमें आठ कोच होंगे। यह ट्रेन सुबह छह बजकर बीस मिनट पर वाराणसी से चलेगी और दोपहर एक बजकर चालीस मिनट पर देवघर पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन दोपहर तीन बजकर पन्द्रह मिनट पर देवघर से चलकर रात साढ़े दस बजे वाराणसी के कैन्ट

स्टेशन पर पहुंचेगी। कल से इस ट्रेन का नियमित रूप से संचालन शुरू हो जायेगा।

———————

मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारतीय सभ्यता और संस्कृति प्राचीन काल से लोकतांत्रिक मूल्यों से परिपूर्ण रही है। इसका उद्देश्य किसी पर जबरन शासन करना नहीं था बल्कि इसकी भावना 'सर्वे भवंतु सुखिनः' की रही है। इसका नया स्वरूप आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सबका साथ सबका विकास' के संकल्प में दिखता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज युग पुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 55वीं और राष्ट्र संत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 10वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में समसामयिक विषयों के सम्मेलनों की श्रृंखला के पहले दिन 'लोकतंत्र की जननी है भारत' विषय पर सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र को लेकर वैदिक कालखंड से लेकर रामायणकालीन और महाभारतकालीन अनेक उद्धरण देखने को मिलते हैं। भारत के लोकतंत्र में प्राचीन समय से लेकर आज तक जनता की आवाज और जनता के हित को ही सर्वोपरि रखा गया है। बाइट...

दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यता तो इसलिये है क्योंकि जब दुनियां में सभ्यता नहीं थी, संस्कृति नहीं थी, मानवीय जीवन मूल्यों के प्रति लोगों के मन में किसी प्रकार का कोई आग्रह नहीं था। तब भारत के अंदर सभ्यता अपने चरम उत्कर्ष पर थी, लेकिन उसका उद्देश्य, किसी पर शासन करना नहीं था, किसी का स्वत्त जबरन हरण करने का नहीं रहा,

बल्कि उसका उद्देश्य एक ही था जो हमारा वैदिक उद्घोष करता है, जो हमारे वेद कहते हैं कि सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामया।

———————

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बहराइच में आज बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने जनहानि पर मृतक आश्रितों को दी गई सहायता राशि और घायलों के इलाज और स्वास्थ्य आदि की भी जानकारी ली। उन्होंने के महसी तहसील क्षेत्र के सिसइया चूरामणि में भेड़ियों के हमलों में जान गंवाने वाले और घायल हुए लोगों के परिवारजनों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवारों को राशन सहित अन्य जरूरी सामान वितरित किये और साथ ही वन विभाग के अधिकारियों को लोगों की सुरक्षा और शेष बचे आदमखोर भेड़ियों को पकड़ने के निर्देश दिये। महसी तहसील में पिछले दिनों भेडियों क हमलों में दस लोगों की मृत्यु हो चुकी है, जिनमें नौ बच्चे शामिल हैं। भेड़ियों के हमलों में कई लोग घायल भी हुए हैं। वन विभाग ने इस इलाके में अभियान चलाकर अब तक पांच भेड़ियों को पकड़ लिया है जबकि एक की तलाश अभी जारी है।

———————

मेरठ जिले के लोहियानगर की जाकिर कालोनी में कल शाम एक तीन मंजिला इमारत गिरने से 10 लोगों की मृत्यु

हो गई। पांच लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। आज सुबह रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा हा गया और मलबा हटा दिया गया है। मेरठ के जिलाधिकारी दीपक मीणा ने कहा कि घटना के वक्त इमारत में करीब 14 से 15 लोग थे। जिनमें से तीन लोगों को पहले ही सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया था, लेकिन बारह लोग मलवे में फंस गये थे जिनमें से दस लोगों की मौत हो गयी। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ सहित राहत दलों को मलबा हटाने के लिए लगाया गया था।

———————

ब्रेक

यह समाचार आप आकाशवाणी लखनऊ से सुन रहे हैं।

ताज़ा समाचार जानने के लिये आप हमारी वेबसाइट न्यूज़ ऑन ए0आई0आर0 डॉट जी0ओ0वी0 डॉट आई0एन0 पर लॉगिन कर सकते हैं। इसके साथ ही आप प्रादेशिक समाचारों का यह बुलेटिन हमारे यूट्यूब चैनल न्यूज ऑन एआईआर लखनऊ पर भी सुन सकते हैं।

———————

महाकुम्भ–2025 की मेजबानी के लिए प्रयागराज में जोरशोर से तैयारियां चल रही हैं। चार महीने बाद करोड़ों श्रद्धालु संगम नगरी पहुंचेंगे। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश स्टेट टूरिज्म

डेवलपमेंट कॉरपोरेशन की ओर से परेड मैदान में पारम्परिक टेंट सिटी बसाई जायेगी। यह तीन अलग–अलग श्रेणियों में बनेगी। विभाग की ओर से विला, महाराजा और स्विस कॉटेज में लोगों के रहने–खाने की रूपरेखा तैयार की गई है। इसके अलावा अरैल व झूंसी में पीपीपी मोड पर टेंट सिंटी बसाई जायेगी। पर्यटन मंत्री ने बताया कि महाकुंभ–2025 में हेलीकाप्टर से कुंभ के हवाई दर्शन, वाटर स्पोर्ट्स, एडवेंचर टूरिज्म और लजीज व्यंजन का आनंद भी पर्यटकों को मिलेगा। उन्होंने बताया कि महाकुंभ मेला दुनिया को सबसे बड़े धार्मिक, आध्यात्मिक आयोजनों में से एक है। इस आयोजन को पहले से अधिक दिव्य और भव्य बनाने के लिए तैयारियां जोरशोर से चल रही हैं। प्रयागराज के मंदिरों का विकास, सौन्दर्यीकरण यात्री सुविधाओं के साथ–साथ इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी परियोजनाओं को तेजी से पूरा किया जा रहा है।

———————

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा है कि रोडवेज के बेड़े में इस वर्ष के अंत तक पांच हजार नई बसें और शामिल हो जायेंगी। उन्होंने बताया कि बसों की खरीद की प्रक्रिया शुरू हो गई है। परिवहन मंत्री ने कल आजमगढ़ में पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि दो हजार नई बसों के लिए टेंडर हो चुका है शेष तीन हजार बसों के लिए टेंडर प्रक्रिया चल रही है।

———————

पिछले कई दिनों से हो रही वर्षा और बांधों से पानी छोड़े जाने के कारण प्रदेश में गंगा–यमुना–शारदा और घाघरा नदी उफान पर है। बदायूं, बलिया और औरैया जिले में गंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। वहीं जालौन, हमीरपुर में यमुना का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया है। लखीमपुर खीरी के पलियाकला और शारदानगर में शारदा नदी, बाराबंकी और अयोध्या में घाघरा नदी खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गई है। इससे इन जिलों में बाढ़ जैसे हालात उत्पन्न हो गये हैं। लखीमपुर खीरी में बाढ़ की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। तटबंधों की मॉनीटरिंग करने के साथ ही प्रभावित इलाकों में एनडीआरएफ तथा आपदा प्रबंधन की टीमें पूरी मुस्तैदी से कार्य कर रही हैं। जिले में शारदा नदी के किनारे स्थित पतवारा गाव में बाढ़ के पानी से घिरे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है। उधर फर्रूखाबाद में गंगा नदी में नरौरा बांध, बिजनौर बैराज से पानी छोड़े जाने के कारण यहां गंगा का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। भदोही और मिर्जापुर में गंगा का जलस्तर बढ़ने से बाढ़ चौकियों को अलर्ट कर दिया गया है।

वाराणसी में गंगा का जलस्तर बढ़ने से नौकाओं का संचालन बंद कर दिया गया है। पेश है हमारे प्रतिनिधि की एक रिपोर्ट...

वाराणसी में गंगा के जलस्तर में बढ़ाव लगातार बना हुआ है। गंगा का जलस्तर देर शाम चेतावनी बिंदु के पास पहुंच गया है। जलस्तर बढ़ने से शवदाह और गंगा आरती गली व छतों पर हो रही है। गंगा के पलट प्रवाह से वरुणा पार के निचले इलाकों में भी पलायन शुरू हो गया है। बढ़ते जलस्तर के कारण गंगा में नौका का संचालन भी बंद कर दिया है। इस साल गंगा के जलस्तर में यह बढ़ाव छठी बार हो रहा है।जिला प्रशासन ने बाढ़ चौकियों और एनडीआरएफ को अलर्ट मोड पर रखा है।जिलाधिकारी एस.राजलिंगम और अपर पुलिस कमिश्नर एस.चिनप्पा ने रविवार को बाढ़ प्रभावित क्षेत्र और बाढ़ चौकी/बाढ़ राहत शिविर प्राथमिक विद्यालय सरैया का औचक निरीक्षण कर अधिकारियों को जरुरी दिशा निर्देश देकर अलर्ट किया है। मनीष सिंह आकाशवाणी समाचार वाराणसी।

———————

दूरदर्शन आज अपनी 65वीं वर्षगांठ मना रहा है। देश में टेलीविजन प्रसारण को शुरुआत 15 सितंबर 1959 को दूरदर्शन से हुई थी। अपने विशाल नेटवर्क के बूते दूरदर्शन आज भारत का सबसे बडा प्रसारक है जिसकी पहुंच ग्रामीण दर्शकों तक है। दूरदर्शन के छह राष्ट्रीय और 22 क्षेत्रीय चैनलों से चौबीसो घंटे प्रसारण होता है। दूरदर्शन का एक अंतरराष्ट्रीय चैनल भी है।

प्रसार भारती के अध्यक्ष नवनीत सहगल ने आज लखनऊ में कहा कि दूरदर्शन अपनी स्थापना के दिन से ही साफ सुथरा मनोरंजन देने के साथ ही समाचार के क्षेत्र में अग्रणी और विश्वसनीय भूमिका निभा रहा है। श्री सहगल ने इस मौके पर दूरदर्शन और उसके दर्शकों को बधाई दी है।

———————